ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 PP. No.- 165-166

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- I, Issues-27, YEAR- Jan.-March-2023

रूस–यूक्रेन युद्ध का भारत–पाक सम्बन्धों पर प्रभाव

1. डॉ0 अजय कुमार पाण्डेय
2. जय प्रकाश शर्मा

1. एसोसिएट प्रोफेसर, 2. शोध अध्येता, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया (उ0प्र0) भारत

Received-01.02.2023, Revised-06.02.2023, Accepted-11.02.2023 E-mail: aaryvart2013@gmail.com

सारांशः ***24 फरवरी 2022 से प्रारम्भ हुआ, यह संघर्ष द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में एक राष्ट्र का दूसरे राष्ट्र पर सबसे बड़ा हमला है। वर्ष 1990 के दशक में बाल्कन संघर्ष के बाद यह एक बड़ें संघर्ष के रूप में देखा जा रहा है। रूस के दृष्टिकोण से देखा जाये, तो नाटो (NATO) के द्वारा सोवियत संघ के विखण्डन से पहले किये गये वायदो का उल्लंघन किया गया है क्योंकि नाटो में यूक्रेन का प्रवेश रूस के लिए खतरें की स्थिति को पैदा कर देगा और रूस के लिए सतत् सुरक्षा खतरा उत्पन्न करेगा।***

कुंजीभूत शब्द– संघर्ष, मतभेद प्रतिरोध, शारीरिक, मानसिक, भावात्मक, राजनैतिक, शांति अभियान, लोहांसक।

संघर्ष तब होते हैं जब व्यक्तियों, समुदायों, समूहों और देशों के बीच असहमति पैदा होती है। असहमति के फलस्वरूप मतभेद प्रतिरोध जैसी स्थिति उत्पन्न होता है, जो एक ऐसा स्थिति है जिसमें लोगों की शारीरिक, मानसिक, भावात्मक, राजनैतिक आदि स्थिति से गुजरना पड़ता है।

युद्धोंन्माद संक्रमणशील होता है। एक चिंगारी उठी नहीं, हजारों पवन उसे हवा देने के लिए प्रस्तुत हो उठते हैं जो कि केवल दो राष्ट्रों के मध्य युद्ध लड़े जाते हैं, तब भी दुनिया दो पालों में बँटकर किसी एक पक्ष का समर्थन करने लगती है।

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष ने बहुत नुकसान किया है और यह दिन–प्रतिदिन विकसित होता जा रहा है। इस विवाद से अब महाशक्तियों के बीच भी जंग छिड़ने का खतरा बढ़ गया है। यह संघर्ष 2014 में शुरू हुआ, जिसमें मुख्य रूप से एक तरफ रूस व रूस के समर्थ सेनाएं शामिल थी और दूसरी तरफ यूक्रेन। युद्ध लोहांसक व डोनबास के कुछ हिस्सों पर केन्द्रित है, जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यूक्रेन के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है। रूस और यूक्रेन तनाव मुख्य रूप से देखे तो सन् 2021 से 2022 तक बना हुआ है। जब यह पता चला की यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण करना चाहता है तो फरवरी 2022 में संकट गहराया हुआ था और रूस को वश में करने के लिए राजनयिक वार्ता विफल रहा, जो कि परिणाम स्वरूप 22 फरवरी 2022 को अलगाववादी नियंत्रित क्षेत्र में सेना का स्थानान्तरण के रूप में हुयी।

नाटो के साथ रूस का समझौता– 22 जून, 1994 को रूस ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किया। 'शान्ति के लिए सहभागिता' रूस और नाटो के बीच सम्बन्ध और मजबूत होंगे तथा शांति अभियान का सहयोग और अभ्यास मार्ग प्रशस्त होंगे।

रूसी विरोध के बावजूद अमेरिका पहल पर पूर्वी यूरोप के तीन देशों पोलैण्ड, हंगरी और चेक गणराज्य को जुलाई, 1997 में नाटो में शामिल किया गया। 'सोवियत संघ' और 'वारसा संधि' के विघटन के बाद राजनीतिक सैन्य गठबन्धन के रूप में नाटो का विस्तार एक अमेरिका की पहल थी। जिसका उद्देश्य राजनीतिक स्वायत्तता के लिए यूरोपीय महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रित रखना और रूस के पुनरूत्थान का मुकाबला करना है।

भारत–पाक सम्बन्धों का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि– भारत एवं पाकिस्तान संघर्ष एक जटिल इतिहास के रूप में देखा है। 1947 के समय में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई तथा उनका सम्बन्ध क्षेत्रीय विवाद, सैन्य टकराव और शांति निर्माण का एक प्रमुख उदाहरण रहा है। भारत–पाक के बीच जम्मू–कश्मीर को लेकर प्रमुख तीन युद्ध हुए हैं, जो उन देशों के बीच तनाव के स्त्रोत में देखा जाता है।

भारत–पाकिस्तान सम्बन्धों में वाह्य कारकों का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। शांति युद्ध समाप्ति के पश्चात् चीन का उदय हुआ जो क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के रूप में बदलाव किया। नई चुनौतियों का सामना करते हुए भारत–पाक अपने रणनीतिक हितों को बनाए रखने में मांग कर रहे हैं। आतंकवाद के प्रति युद्ध एवं आफगानिस्तान में अमेरिकी हस्तक्षेप ने उनके सम्बन्ध प्रभावित किया। भारत इस क्षेत्र में हमेशा से बड़ी भूमिका निभाने का कोशिश करता रहा है।

भारत–पाक में क्षेत्रीय संघर्ष ने पिछले प्रभाव में शोध के अनुसार भारत–पाक सम्बन्ध में क्षेत्रीय संघर्ष के प्रभाव का पता चलता है। सोवियत संघ एवं अफगान युद्ध एवं इराक–ईरान युद्ध जैसे पड़ोसी मुल्कों में संघर्ष का प्रभाव पूर्णतः पड़ा है। उदाहरण के अनुसार, 1965 का भारत–पाक युद्ध, अफगान में संघर्ष एवं अमेरिका जैसे बाहरी अभिनेताओं के रूप में प्रभावित होना लाजमी है।

संक्षेप में, कहे तो रूस–यूक्रेन की संघर्ष की जटिलताएँ भारत–पाक सम्बन्धों प्रभावों पर प्रकाश डालता है। बाहरी तत्वों के विचार को रेखांकित करते हुए जो वर्तमान–अतित के रिश्ते को आकार दिया है। साहित्य समीक्षा पेपर के अनुसार,

अनुरूपी लेखक / संयुक्त लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-16, No.- I, Issues-27, YEAR- Jan.-March-2023

भारत–पाक सम्बन्धों में रूस–यूक्रेन संघर्ष के प्रभावों का विश्लेषण एवं चर्चा का आधार मानता है।

रूस–यूक्रेन संकट का भारत–पाक पर प्रभाव– रूस–यूक्रेन सम्बन्धों पर संघर्ष का काफी बुरा प्रभाव पड़ा है जो कि भारत एवं यूक्रेन के बीच अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ है। भारत–रूस के कार्यों को देखते हुए निंदा किया है। यूक्रेन के क्षेत्रीय अखण्डता मानते हुए राजनीतिक समर्थन प्राप्त किया। यूक्रेन के साथ मिलकर भारत ने निवेश एवं व्यापार को आगे लाया है। दोनों देशों के बीच आपसी रक्षा एवं प्रौद्योगिकी पर हस्ताक्षर किया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान का रूस के प्रति घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया है। रूस ने पाकिस्तान को टैंक एवं हेलिकॉप्टर सहित सैन्य उपकरण प्रदान किया है, एवं सैन्य अभ्यास के साथ–साथ रूस–पाक के बीच रणनीतिक साझेदारी ने भारत के चिंता को बढ़ाया है।

रूस और यूक्रेन संघर्ष का प्रभाव भारत–पाक के अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। जिसमें भारत ने यूक्रेन के साथ अपना व्यापार को बढ़ावा दिया है, एवं भारत–पाक के बीच आपसी सीमा विवाद के कारण व्यापार कम हुआ है जो कि पूर्णतः संघर्ष का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है।

रूस–यूक्रेन संघर्ष का क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभाव के साथ–साथ दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ा है। रूस ने इन क्षेत्रों में अपना विस्तार एवं प्रभाव बढ़ाना चाहता है। इससे भारत में रूस–चीन–पाक घुरी की सम्भावना के रूप में चिंता बढ़ा दिया है जो भारत की रणनीतिक हितों को कमजोर कर सकता है। इस संघर्ष ने क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को ध्यान केन्द्रित किया है। भू–राजनीतिक क्षेत्र में शक्ति संतुलन में बदलाव, चीन एवं अमेरिका जैसे बाहरी देश की भूमिका एवं शांति युद्ध और सोवियत–अफगान युद्ध की विरासत शामिल है। अंततः भारत–पाक सम्बन्धों पर रूस–यूक्रेन संघर्ष का प्रभाव मिश्रित है। जिसका सकारात्मक और नकारात्मक परिणाम है। रूस के आक्रमण ने भारत के पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चयन करने का दबाव डाला। रूस के साथ मजबूत सम्बन्ध बनाए रखना भारत के लिए राष्ट्रीय हितों के रूप में पूर्ति करता है। भारत को रूस के साथ एक मजबूत राजनीतिक गठबंधन बनाए रखना होगा।

इस संकट का प्रभाव यूक्रेन में मौजूद प्रवासी (भारत–पाक) पर भी पड़ रहा है। ऐसे स्थिति में हजारों भारतीय एवं अन्य देशों के प्रवासी वहाँ से पलायन कर चुके हैं।

युद्ध की स्थिति को देखते हुए स्वभाविक सी बात है कि रूस–यूक्रेन युद्ध के मध्य अन्य राष्ट्रों के अर्थव्यवस्था के साथ–साथ तेल के कीमतों में भी वृद्धि का आशंका बना हुआ, जो आने वाले भविष्य गतिविधि के रूप में खतरा बना हुआ है, जो कि आने वाले समय में विश्व की अर्थव्यवस्था पूर्णतः चरमरा जायेगी।

निष्कर्ष– भारत एवं पाकिस्तान के बीच सम्बन्धों पर रूस–यूक्रेन संघर्ष का पूर्णतः प्रभाव पड़ा है जो इनके सम्बन्धों में बहुमुखी एवं जटिल होने के कारण प्रभावित रहा है। रूस–यूक्रेन के संघर्ष ने भारत और पाकिस्तान सम्बन्धों के आकार देने में क्षेत्रीय गतिशीलता एवं घरेलू राजनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला गया है। अमेरिका और जापान ने भारत के बढ़ते सम्बन्धों ने पाक की रणनीतिक हितों की चिंता को बढ़ा रखी है, जो कि पाकिस्तान के साथ रूस की बढ़ती सम्बन्धों ने भारत के क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के रूप में चिंताओं को रेखांकित किया है। भारत–पाक के जटिल और विकसित क्षेत्रीय गतिशीलता को सावधानीपूर्वक नकारात्मक करने की मंशा होगी जो कि सम्बन्ध एवं जुड़ाव के नए तलाश के रूप में एक अवसरों की मौजूदगी होगी। बाहरी कारकों का रोल महत्वपूर्ण मानी जायेगी। आने वाले भविष्य में नितियां एवं कार्य भारत–पाक सम्बन्धों को एक प्रक्षेपवक्र के रूप में आयाम देगी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. यादव, (2020), आर0एस0, "भारत की विदेश नीति," पियर्शन पब्लिकेशन।
2. फड़िया, (2019), डॉ0 बी0एल0, "अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति", साहित्य भवन, आगरा।
3. वर्मा, (2000), डॉ0 दीनानाथ, "अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध", प्रभात पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. सिंह, (2012), डॉ0 वी0वी0, "इंडो पाक रिलेशन", पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली।
5. दीक्षित (2019), जे0एन0, "भारत–पाक सम्बन्ध", प्रभात पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
6. मिश्रा, (2022), राजेश, "भारतीय विदेश नीति", ओरियंट ब्लैकस्वान।
7. मनीष चन्द्र, भारत और रूस :बदलते समय में हमेशा के लिए मित्र, 10 दिसम्बर, 2014, विदेश मंत्रालय।
8. सिंह, (2022), अजय, "रूस–यूक्रेन वार", पेंटागन प्रेस, 2022।
9. प्रो0 आर0जी0, "वर्ल्ड फोकस", 2015 फरवरी।
10. द हिन्दू, नई दिल्ली।

*****